हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
बुधवार, 10 नवंबर 2021, बरेली, उत्तर प्रदेश, 21 संस्करण
www.livehindustan.com

एसआरएमएस रिद्धिमा में मंगलवार को 'मैं पापिन क्यों' का मंचन किया गया।

कैकेई पापिन न बनती तो रामायण न लिखी जाती

बरेली | प्रमुख संवाददाता

एसआरएमएस रिद्धिमा में लेखक अश्वनी कुमार के नाटक मैं पापिन क्यों का मंचन किया गया। नाटक का निर्देशन अम्बुज कुकरेती ने किया। कैकेई के चरित पर आधारित इस नाटक में दिखाया गया कि कैसे कैकेई रघुकुल की मर्यादा को बनाये रखने के लिए श्रीराम को 14 वर्ष वनवास भेज खुद को समाज की नजर में पापिन बना देती हैं।

छह दिनों तक चलने वाले महोत्सव का पहले दिन उदघाटन मेयर उमेश गौतम, एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव देवमूर्ति, जेसी पालीवाल ने किया। थिऐटर फेस्ट पर पुस्तक इंद्रधनुष का विमोचन भी किया गया। नाटक की शुरुआत में राजा दशरथ के वृद्ध होने की बात कहते हुए कैकैयी श्रीराम से कहती हैं कि तुम राजधर्म का पालन करते हुए राजा का पदभार ग्रहण करो। भगवान राम कहते हैं कि मैं राजा बन गया तो भोग-विलास में फंसकर रह जाऊंगा फिर रावण जैसे राक्षस का वध कौन करेगा। तब रानी कैकेई दशरथ से दो वचन मांगती हैं। इसमें राम को बनवास और भरत को अयोध्या का राजपाठ। भरत अपनी माता पर क्रोधित होने लगते हैं। नाटक में बताया गया कि रानी के सत्य से अज्ञान लोग उसे पापिन समझते रहे।